an>

Title: Regarding bugging at the Residence of a Union Minister.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : अध्यक्ष महोदया, रोड ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर के घर में इक्विपमैंट्स मिले हैं, ऐसा हमें न्यूज़पेपर्स के माध्यम से और गडकरी जी की ओर से जो स्टेटमैंट आया है, उससे पता चला है। इस बारे में होम मिनिस्टर साहब ने भी सफाई दी है कि ऐसी कोई चीज वहां पर नहीं है। लेकिन हम यह जानना चाहते हैं कि कितने मिनिस्टर्स के घर में ऐसे इक्विपमैंट्स हैं और कितने मिनिस्टर्स के घर में यह जासूसी चल रही हैं? ...(व्यवधान) इसलिए हमें यह कहना पड़ रहा है कि जब गुजरात में ऐसा हुआ था, तो वहां के डीआईजी ने स्टेटमैंट में कहा था कि 29 हजार लोगों का टेप टेपिंग किया गया था, जासूसी की गयी थी। ...(व्यवधान) 29 हजार लोगों का फोन टेप किया गया था। ...(व्यवधान) इसलिए आज कितने मंत्रियों, एमपीज और अधिकारियों के फोन टेप हो रहे हैं या सुने जा रहे हैं? ...(व्यवधान) कितने लोगों की जासूसी चल रही है, इसका पूरा विवरण देना चाहिए। इस बारे में प्रधान मंत्री जी को खुद स्टेटमैंट देना चाहिए, क्योंकि उनके राज्य में ऐसा हुआ था और आज यहां भी ऐसा हो रहा है। ...(व्यवधान) यहां पर होम मिनिस्टर साहब मौजूद हैं ...(व्यवधान) इसलिए वे अपने विचार यहां रखें, ताकि सारे देश वासियों को मालूम हो जाये कि इस विषय में क्या चल रहा है? ...(व्यवधान) किस तरीके से ऐसा हो रहा है, क्यों ऐसा हो रहा है और कौन इसके पीछे है? ...(व्यवधान) इसका पूरा विवरण प्रधान मंत्री जी दें। ...(व्यवधान) होम मिनिस्टर यहां मौजूद हैं, वे स्पष्ट बतायें। इस बारे में एक स्टेटमैंट देना चाहिए और उसका स्पष्टीकरण होना चाहिए, ताकि देश वासियों को मालूम हो कि यह सरकार क्या कर रही है? ...(व्यवधान)

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : अध्यक्ष महोदया, माननीय सदस्य श्री खड़गे जी ने समाचार-पत्रों में छपी एक खबर कि हमारे मंत्री श्री नितिन गडकरी के बेडरूम में एक हाई पावर लिसनिंग डिवाइसेस लगायी गयी थी, का उल्लेख किया है। उसके आधार पर उन्होंने सदन में यह प्रश्न खड़ा किया है और इस पर उन्होंने सरकार के द्वारा स्पष्टीकरण मांगा है। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि जो भी खबर छपी है, वह पूरी तरह से बेबुनियाद है, निराधार है। ...(व्यवधान) इसलिए इस पूरे मामले की जांच कराये जाने का कोई प्रश्न नहीं है और जिनके बेडरूम में यह हाई पावर लिसनिंग डिवासेस लगाये जाने की बात की जा रही है, उन्होंने स्वयं भी इस पूरी खबर को बेबुनियाद और निराधार बताया है। इसलिए मैं समझता हूं कि इस खबर को जो समाचार-पत्र में छपी है, उसे गंभीरता पूर्वक लेने का कोई औचित्य नहीं है। ...(व्यवधान)